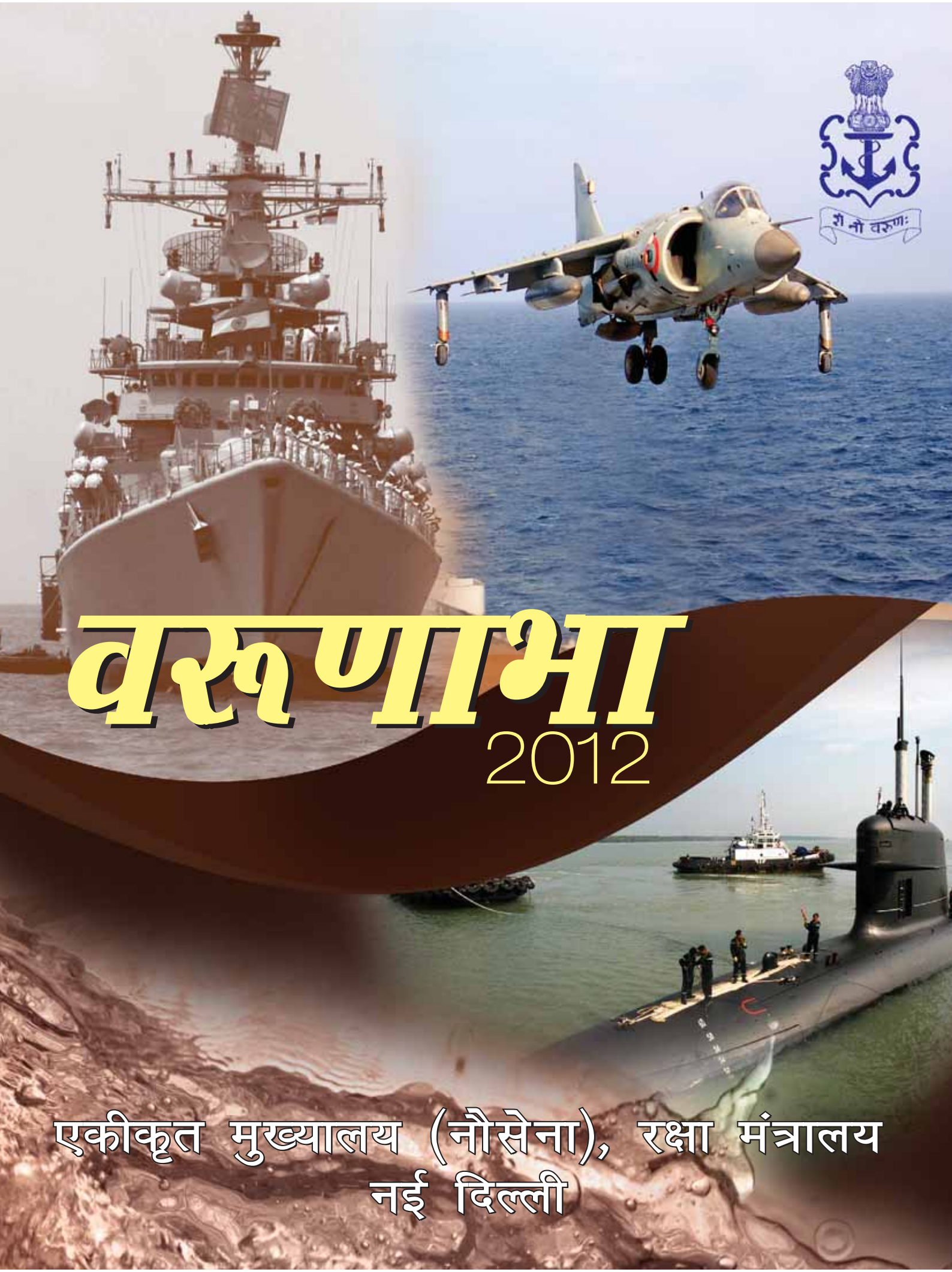

वरुणाभा

2012

एकीकृत मुख्यालय (नौसेना), रक्षा मंत्रालय
नई दिल्ली

हिन्दी पखवाड़ा 2011 की कुछ झलकियाँ

◄ मुख्य अतिथि रियर एडमिरल ब्रिजेश झंग, डी जी एन ए आई का स्वागत

रियर एडमिरल ब्रिजेश झंग, विशेष अतिथि डा0 सरिता शर्मा को भेट देते हुए ►

▲ ▲

वरूणाभा पत्रिका का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि, साथ में विशेष अतिथि डा0 सरिता शर्मा एवं कमाडोर घनश्याम ओझा भी हैं

◄ समारोह का आनंद लेते हुए श्रोतागण

एडमिरल डी के जोशी
पी वी एस एम, ए वी एस एम, वाई एस एम, एन एम, वी एस एम, ए डी सी
नौसेनाध्यक्ष
Admiral D K Joshi
PVSM, AVSM, YSM, NM, VSM, ADC
Chief of the Naval Staff
Tele : 011-23011400, 23011424
Fax : 011-23793150
E-mail : cns-india@nic.in

रक्षा मंत्रालय
एकीकृत मुख्यालय (नौसेना)
नई दिल्ली–110011
Integrated Headquarters
Ministry of Defence (Navy)
New Delhi-110011

संदेश

1. हिंदी हमारे देश में सबसे अधिक बोली व समझी जाने वाली भाषा है। यह जनता और सरकार के बीच एक सेतु का कार्य करती है। हिंदी पत्रिकाओं का प्रकाशन अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में लिखने के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मुझे प्रसन्नता है कि रक्षा मंत्रालय–एकीकृत मुख्यालय (नौसेना) इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़े के अवसर पर अपनी वार्षिक हिंदी पत्रिका 'वरूणाभा' का प्रकाशन करने जा रहा है।

2. रक्षा मंत्रालय–एकीकृत मुख्यालय (नौसेना) की वार्षिक गृह पत्रिका 'वरूणाभा' पिछले कई वर्षों से अपने इसी उद्देश्य को बखूबी पूरा कर रही है। यह पत्रिका राजभाषा नीति संबंधी जानकारी को आम कार्मिकों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही है। भारतीय नौसेना में होने के नाते, देश की रक्षा, एकता तथा अखंडता को बनाए रखने के साथ–साथ राजभाषा हिंदी को आगे बढ़ाने का संवैधानिक दायित्व भी हमारा है।

3. भारत सरकार की नीति के अनुसार हमें प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना को अपनाकर हिंदी का प्रयोग बढ़ाना है तभी हम राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो पाएंगे। आप सभी से मेरा आग्रह है कि सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए पूर्ण रूप से कोशिश करें।

4. इस अवसर पर मैं सभी रचनाकारों, संपादक मंडल तथा सहयोगी कार्मिकों को बधाई देता हूँ और कामना करता हूँ कि 'वरूणाभा' हर वर्ष नई उपलब्धियां हासिल करती रहे।

जय हिंद। शं नो वरूणः।

(डी के जोशी)
एडमिरल
नौसेनाध्यक्ष

13 सितंबर 12

संपादकीय

पत्र–पत्रिकाएं हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने में अहम् भूमिका निभाती है। इनके माध्यम से सभी के लिए हिन्दी में अभिव्यक्ति का एक सहज और सुलभ मंच उपलब्ध होता है। रक्षा मंत्रालय के सभी कार्यालय राजभाषा अधिनियम के अनुपालन के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। एक सशक्त सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी ने विश्व के अलग–अलग देशों में प्रवास कर रहे भारतीयों को भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से एकबद्ध करने के साथ ही उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सामंजस्य स्थापित करने में एक सेतु का काम किया है। यदि हिन्दी राजभाषा, राष्ट्रभाषा और वैश्विक भाषा के रूप में सारे जगत पर छा जाने की महत्वाकांक्षा रखती है और भारत जैसे बहु–सांस्कृतिक देश में अपनी वैधानिकता को सर्वमान्य लोकप्रियता में बदलना चाहती है तो इसे उदार, परिवर्तनशील और सर्वग्राही बनाए रखना होगा।

"वरुणाभा" का प्रकाशन इन्हीं प्रयासों की एक मजबूत कड़ी है जो गत 12 वर्षों से निरन्तर एवं निर्बाध रूप से अधिकारियों और कर्मचारियों को हिन्दी में मूल लेखन के लिए प्रवृत्त करती आ रही है। रक्षा मंत्रालय–एकीकृत मुख्यालय (नौसेना) राजभाषा अधिनियम 1963 के सुचारू अनुपालन के लिए सतत प्रयत्नशील और प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्रालय–एकीकृत मुख्यालय (नौसेना) हिन्दी के प्रचार–प्रसार में सदैव अग्रणी रहा है और "वरुणाभा" के वार्षिक प्रकाशन के द्वारा हिन्दी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पत्रिका न केवल कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग तथा संबंधित क्रियाकलापों की जानकारी देती है, बल्कि वहां कार्यरत कार्मिकों को अपनी लेखन प्रतिभा को उजागर करने का अवसर भी प्रदान करती है।

उम्मीद है कि पत्रिका का यह नया अंक आपके लिए प्रेरणा का स्रोत साबित होगा। अन्त में, मैं पत्रिका के सभी रचनाकारों का हृदय से आभारी हूं जिनके योगदान के बिना इस पत्रिका का प्रकाशन असंभव था।

जे के सहगल
उप निदेशक (राजभाषा)

संरक्षक

कमोडोर घनश्याम ओझा

प्रधान निदेशक, नौसेना शिक्षा

मार्गदर्शक

कैप्टन खुर्रम एस नूर

निदेशक, नौसेना शिक्षा

मुख्य संपादक

जे के सहगल

उपनिदेशक (राजभाषा)

संपादक

श्रीमती सुशीला सिक्का, सहायक निदेशक (राजभाषा)

श्री राजेश कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा)

श्री नाहर सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा)

श्रीमती सुशीला शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा)

संपादकीय सहयोगी

श्री गौरी शंकर पात्रो, वरिष्ठ अनुवादक

श्री पी सी शर्मा, वरिष्ठ अनुवादक

श्रीमती चारू तिवारी, वरिष्ठ अनुवादक

श्री संजीव कुमार मिश्रा, वरिष्ठ अनुवादक

श्री लोकेश प्रसाद, कनिष्ठ अनुवादक

कुमारी प्रियंका मावी, वरिष्ठ अनुवादक

श्री वकील प्रसाद, सहायक

प्रकाशक

नौसेना शिक्षा निदेशालय

रक्षा मंत्रालय

एकीकृत मुख्यालय (नौसेना)

पश्चिमी खंड–5, रामकृष्णा पुरम

नई दिल्ली–110066